अध्याय III
सहकारी बैंकों की गतिविधियां

3.1 मार्च 2015 के अंत तक की स्थिति के अनुसार, भारत के सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में अल्पावधि और दीर्घावधि ऋण संस्थाओं सहित 1,579 शहरी सहकारी बैंक (यूसीबी) और 94,178 ग्रामीण सहकारी ऋण संस्था समाविष्ट थे (चार्ट 3.1)। वर्ष 2014-15 के दौरान शहरी सहकारी बैंकों की परिसंपत्ति संवृद्धि में कमी तथा अपने निवल लाभ में वृद्धि दर्ज की गई । वर्ष 2013-14 के दौरान अल्पावधि राज्य सहकारी बैंकों को छोड़कर सभी ग्रामीण सहकारी बैंकों के तुलन-पत्रों की संवृद्धि में या तो गिरावट रही या स्थिति उलट गई। राज्य स्तरीय अल्पावधि और दीर्घावधि ग्रामीण सहकारिताओं ने निवल लाभ में गिरावट दर्ज की।

चार्ट 3.1: भारत में सहकारी ऋण संस्थाओं का ढांचा - 31 मार्च 2015 की स्थिति

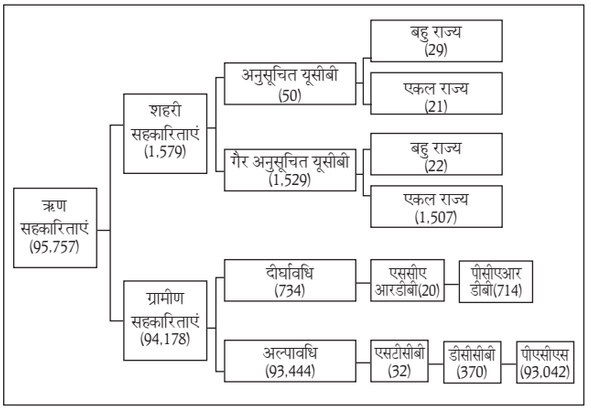

डीसीसीबी: जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों; पीएसीएस: प्राथमिक कृषि ऋण सोसाइटियां; एससीएआरडीबी: राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक; पीसीएआरडीबी : प्राथमिक सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

टिप्पणियां: 1. कोष्ठक के आंकड़े यूसीबी के लिए मार्च 2015 के अंत तक की स्थिति तथा ग्रामीण सहकारिताओं के लिए मार्च 2014 के अंत तक की स्थिति के अनुसार संस्थाओं की संख्या दर्शाता है।

2. ग्रामीण सहकारिताओं के लिए सहकारिताओं की संख्या का संदर्भ रिपोर्टिंग सहकारिताओं से है।

स्रोत: आरबीआई

शहरी सहकारी बैंक

3.2 यूसीबी का समेकन जारी रहा चूंकि यूसीबी की संख्या जो 2013 में 1,606 थी वह कम होकर 2015 में 1,579 रह गई (चार्ट 3.1)। रिज़र्व बैंक ने धन शोधन के आरोपों के कारण सितंबर 2014 में छह यूसीबी को बंद करने हेतु निदेश दिए थे।

यूसीबी का कार्य-निष्पादन

3.3 यूसीबी की परिसंपत्तियों की संवृद्धि ने पिछले वर्ष की तुलना में 2014-15 के दौरान कमी महसूस की (चार्ट 3.2)। परिसंपत्तियों की संवृद्धि में गिरावट के कारण यूसीबी की 'अन्य परिसंपत्तियां' में कम संवृद्धि हुई। ऋण और अग्रिम में लगभग 12 प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई जिसका 2014-15 में परिसंपत्तियों में कुल बढ़ोत्तरी में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चार्ट 3.2: परिसंपत्तियों की कुल संख्या तथा संवृद्धि

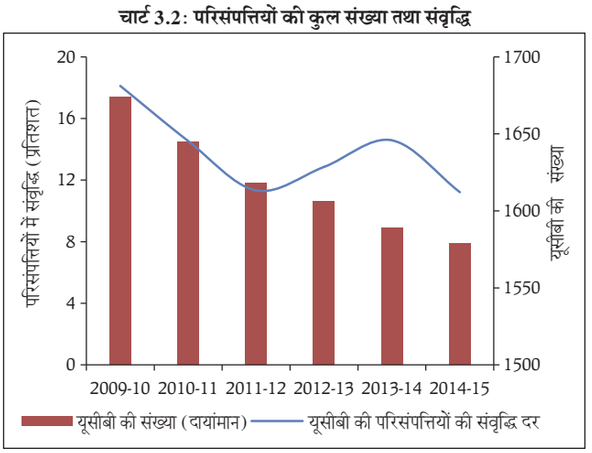

टिप्पणी: 2014-15 के लिए डाटा अनंतिम है।
स्रोत: आरबीआई पर्यवेक्षी विवरणियां और स्टाफ आकलन।

चार्ट 3.3: यूसीबी की लाभ प्रदता के विशिष्ट संकेतक

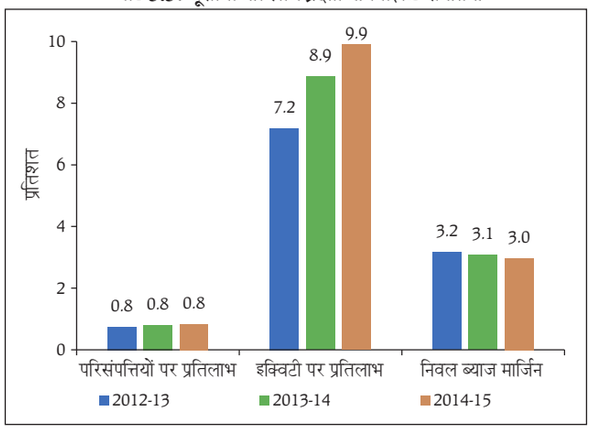

स्रोत: आरबीआई पर्यवेक्षी विवरणियां और स्टाफ आकलन

चार्ट 3.4: यूसीबी की आय और व्यय - प्रतिशत में भिन्नता

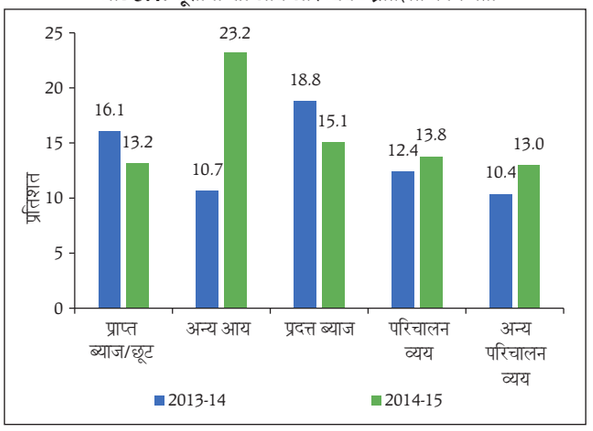

स्रोत: आरबीआई पर्यवेक्षी विवरणियां और स्टाफ आकलन

3.4 यूसीबी का इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) के मामले में अच्छा कार्य निष्पादन रहा। तथापि, निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में बहुत कम गिरावट दर्ज की गई (चार्ट 3.3)। ब्याज आय और ब्याज व्यय दोनों की संवृद्धि में धीमी गति रही जबकि अन्य आय और अन्य परिचालन व्यय की संवृद्धि में 2014-15 के दौरान बढ़ोत्तरी हुई (चार्ट 3.4)।

परिसंपत्ति गुणवत्ता

3.5 सकल अनर्जक परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात में पिछले वर्ष की तुलना में 2014-15 में बढ़ोतरी हुई (चार्ट 3.5)। जीएनपीए अनुपात मार्च 2014 के अंत में 5.7 प्रतिशत रहा जो बढ़कर मार्च 2015 के अंत में 6.0 प्रतिशत हो गया। उसी अवधि के दौरान निवल अनर्जक परिसंपत्ति अनुपात भी 2.2 प्रतिशत से बढ़कर 2.7 प्रतिशत हो गया। मार्च 2015 के अंत की स्थिति के अनुसार, सकल अनर्जक परिसंपत्तियों में वृद्धि (चार्ट 3.6) के मुकाबले प्रावधानित राशियों में न्यून दर से वृद्धि हुई जिसके फलस्वरूप पिछले वर्षों की तुलना में प्रावधान संबंधी कवरेज अनुपात निम्नस्तर पर रहा।

चार्ट 3.5: यूसीबी के अनर्जक अग्रिम

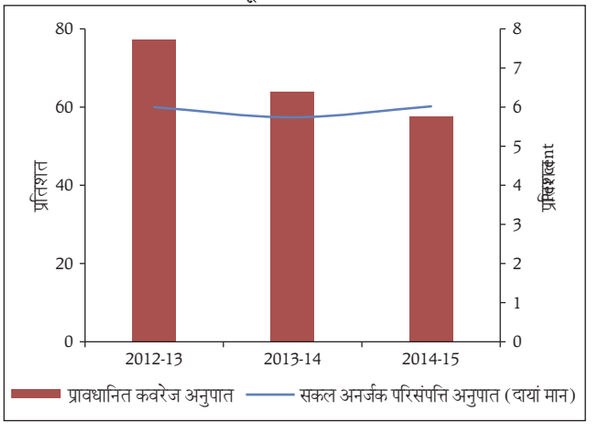

स्रोत: आरबीआई पर्यवेक्षी विवरणियां और स्टाफ आकलन

चार्ट 3.6: परिसंपत्ति, अनर्जक परिसंपत्तियों में संवृद्धि तथा प्रावधान

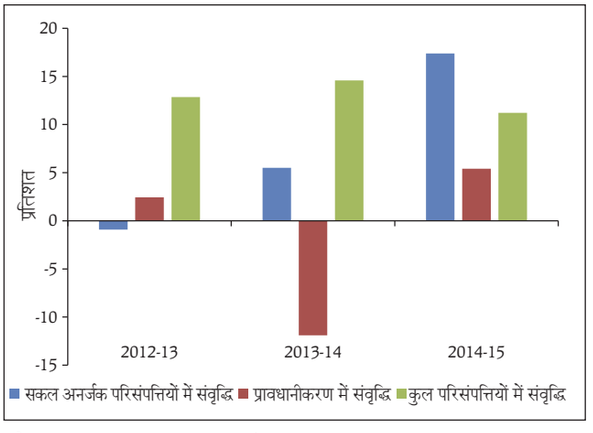

स्रोत: आरबीआई पर्यवेक्षी विवरणियां और स्टाफ आकलन

शहरी सहकारी बैंकों संबंधी गतिविधियां

3.6 शहरी सहकारी बैंकों की उच्च स्तरीय समिति (अध्यक्ष : श्री आर.गांधी) ने अन्य बातों के साथ-साथ सिफारिश की कि बहु-राज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पंजीकृत और रुपए 200 बिलियन या उससे अधिक कारोबार आकार (जमाराशियों तथा अग्रिमों) वाले यूसीबी को वाणिज्य बैंकों में परिवर्तित करने पर विचार किया जाए जबकि छोटे आकार वाले यूसीबी जो लघु वित्त बैंक (एसएफबी) में परिवर्तित होना चाहते हैं वे परिवर्तन के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक को आवेदन कर सकते

चार्ट 3.7: जमाराशि आकार के आधार पर यूसीबी का वितरण - 31 मार्च की स्थिति के अनुसार

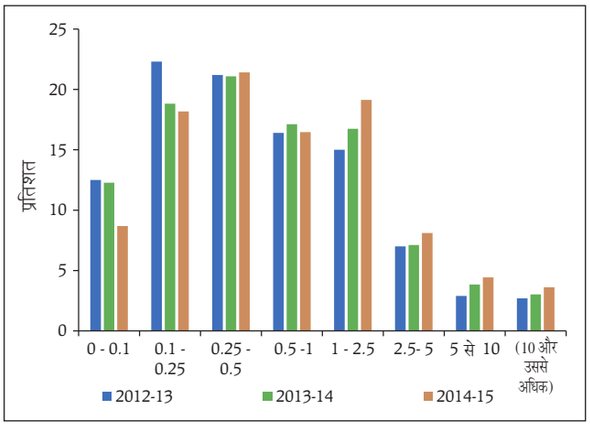

स्रोत: आरबीआई पर्यवेक्षी विवरणियां और स्टाफ आकलन

चार्ट 3.8: अग्रिम आकार के आधार पर यूसीबी का वितरण - 31 मार्च की स्थिति के अनुसार

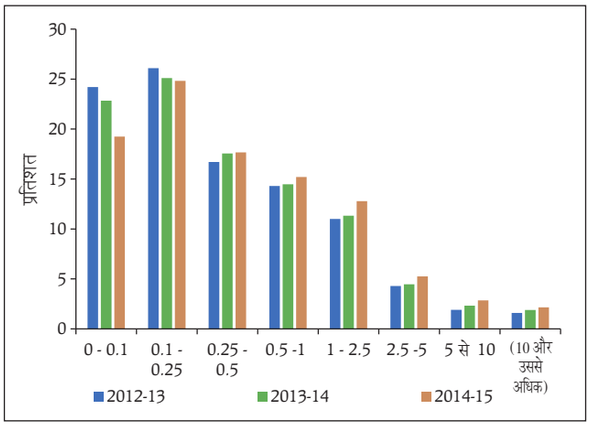

स्रोत: आरबीआई पर्यवेक्षी विवरणियां और स्टाफ आकलन

हैं बशर्ते वे सभी पात्रता मानदंडों तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित चयन प्रक्रिया को पूरा करते हों और यदि एसएफबी के लिए लाइसेंसींग विंडो खुला हो[1]। यूसीबी की बढ़ती जमाराशियों और अग्रिमों पर समिति के विचारों की तरह यह ध्यान देने योग्य है कि जबकि विलयन और समामेलन के कारण यूसीबी की संख्या में गिरावट दर्ज की गई, टियर II यूसीबी की संख्या बढ़ रही है (मार्च 2013 के अंत में 412 से मार्च 2014 के अंत में 442 हो गई तथा मार्च 2015 के अंत में बढ़कर यह 447 हो गई)[2]।

3.7 यूसीबी की जमाराशियों और अग्रिमों के आकार में प्रत्यक्ष बढ़ोत्तरी हुई है (चार्ट 3.7 और3.8)। अनुसूचित शहरी सहकारिताओं की पूंजी आधार में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। 2014 में लघु वित्त बैंक बनने के लिए न्यूनतम चुकता इक्विटी पूंजी मानदंड के अनुसार 2014 में छह यूसीबी योग्य पाए गए। मार्च 2015 के अंत तक ऐसी यूसीबी की संख्या आठ हो गई।

3.8 सीएएमईएलएस मॉडेल 'ए' के अंतर्गत सबसे अच्छे मूल्यांकन वर्ग में यूसीबी का शेयर 2013-14 में 24.7 प्रतिशत था जो बढ़कर 2014-15 में 28.4 प्रतिशत हो गया। तथापि, इस वर्ग में बैंकिंग कारोबार के शेयर में 2014-15 के दौरान गिरावट दर्ज की गई (चार्ट 3.9)।

चार्ट 3.9: वर्ग 'कट की रेटिंग में यूसीबी का शेयर - संख्या और कारोबार आकार

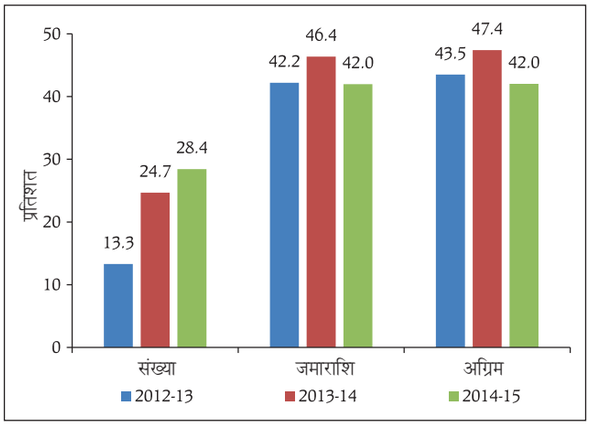

स्रोत: आरबीआई स्टाफ आकलन

[1] इस समिति का गठन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 30 जनवरी 2015 को किया गया। समिति ने अपनी रिपोर्ट 30 जुलाई 2015 को प्रस्तुत की। समीति द्वारा निम्नलिखित सिफारिशें भी की गई :

- ऐसी सहकारी ऋण सोसाइटियों को लाइसेंस जारी किए जाएं जो वित्तीय रूप से स्वस्थ हो और जिनका अच्छा प्रबंधन हो और जिनका कम से कम 5 वर्ष का ट्रेक रिकार्ड हो जो रिज़र्व बैंक द्वारा लाइसेंसींग शर्त के रूप में निर्धारित नियामक निर्देश को पूरा करते हों।
- नए यूसीबी की लाइसेंसींग तथा मौजूदा यूसीबी के विस्तार के लिए अनिवार्य लाइसेंसींग शर्त के रूप में निदेशक मंडल के अलावा एक प्रबंधन मंडल का गठन किया जाना चाहिए।

[2] टियर -I यूसीबी को निम्नलिखित के कारण यूसीबी के रूप में परिभाषित किया गया :

- केवल एक जिले में कार्यरत रुपए 1 बिलियन से कम जमाराशि आधार वाले।
- एक से अधिक जिलों में कार्यरत रुपए 1 बिलियन से कम जमाराशि आधार वाले बशर्ते शाखाएं निकटवर्ती जिलों में स्थित हो तथा एक जिला में शाखाओं की जमाराशियां और अग्रिम अलग से बैंक की क्रमशः कुल जमाराशियां और अग्रिम का कम से कम 95 प्रतिशत भाग हो।
- रुपए 1 बिलियन से कम जमाराशि आधार, जिनकी शाखाएं मूल रूप से केवल एक जिला में थी लेकिन तदोपरांत जिला के पुनर्गठन के कारण बहु-जिला बन गई। अन्य सभी यूसीबी को टियर II यूसीबी के रूप परिभाषित किया गया है।

3.9 वर्ष के दौरान जमाराशि अनुपात की तुलना में ऋण समतल रहा। तथापि, सभी यूसीबी के लिए जमाराशि अनुपात की तुलना में निवेश में लगातार दो वर्ष के लिए गिरावट (2013 में 39.2 प्रतिशत से 2014 में 36.3 प्रतिशत और आगे 2015 में 34.7 प्रतिशत) दर्ज की गई। एसएलआर निवेश में कमी महसूस की गई जबकि पिछले वर्ष के दौरान गैर-सांविधिक चलनिधि निवेश की स्थिति में सुधार दिखाई दिया (चार्ट 3.10)।

चार्ट 3.10: सांविधिक चलनिधि अनुपात (एसएलआर)और गैर-सांविधिक चलनिधि अनुपात निवेश - प्रतिशत में घटबढ़

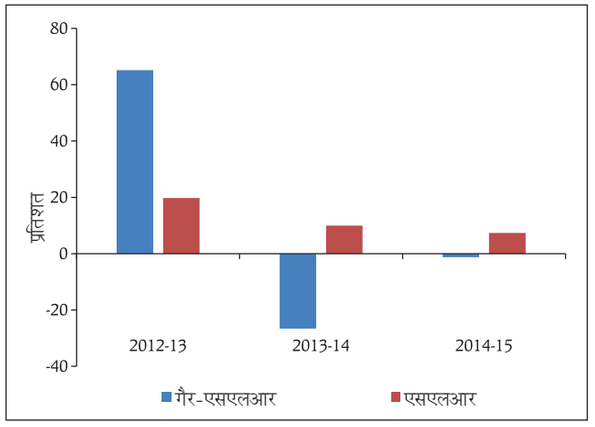

स्रोत: आरबीआई पर्यवेक्षी विवरणियां और स्टाफ आकलन

अनुसूचित यूसीबी

3.10 मार्च 2015 के अंत की स्थिति के अनुसार 50 अनुसूचित यूसीबी थे और सभी यूसीबी की कुल परिसंपत्तियों में उनका शेयर हालांकि पिछले कुछ वर्षों में मामूली बढ़ा (चार्ट 3.11)।

3.11 अनुसूचित यूसीबी के तुलन-पत्र में 2013-14 में 15 प्रतिशत की तुलना में 2014-15 में 12 प्रतिशत से विस्तार हुआ। जबकि 2013-14 में तुलन-पत्र विस्तार में जमाराशियां तथा ऋण और अग्रिमों में वृद्धि का योगदान महत्वपूर्ण रहा, 2014-15 की मंदी के कारण अन्य परिसंपत्तियों और देयताओं में कम संवृद्धि रही।

3.12 2014-15 में आय में संवृद्धि की तुलना में व्यय वृद्धि अपेक्षाकृत अधिक रही। 2014-15 में व्यय वृद्धि की तुलना में ब्याज खर्च का योगदान 81.4 से 77.7 प्रतिशत रहा।

3.13 2013-15 की अवधि के दौरान अनुसूचित यूसीबी के लाभप्रदता संकेतक स्थिर रहे (चार्ट 3.12)।

चार्ट 3.11: अनुसूचित और गैर-अनुसूचित यूसीबी - कुल परिसंपत्तियों में शेयर - 31 मार्च की स्थिति

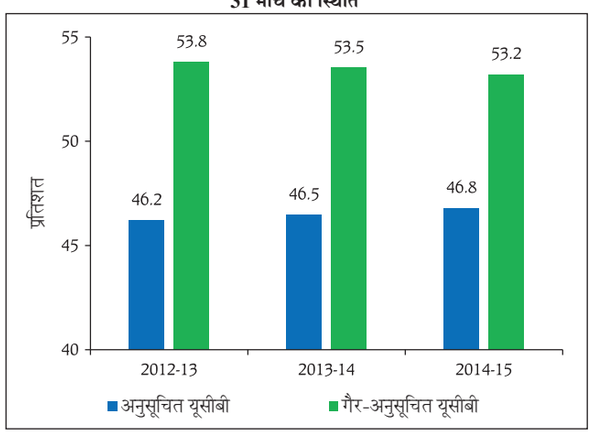

स्रोत: आरबीआई पर्यवेक्षी विवरणियां और स्टाफ आकलन

चार्ट 3.12: यूसीबी का लाभप्रदत्ता संकेतक - प्रकार के अनुसार

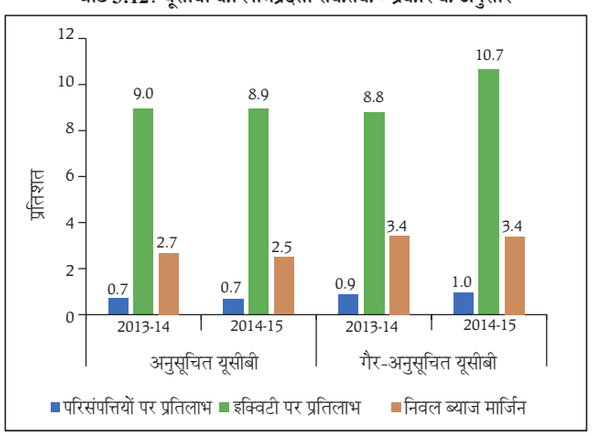

स्रोत: आरबीआई पर्यवेक्षी विवरणियां और स्टाफ आकलन

यूसीबी का प्राथमिकता प्राप्त अग्रिम

3.14 2014-15 की अवधि के दौरान कुल अग्रिम की तुलना में यूसीबी के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम 2013-14 में 48.9 प्रतिशत से बढ़कर 49.4 प्रतिशत हो गया। लघु उद्यम को ऋण तथा यूसीबी आवास 2013 स्तर से बढ़ा है और उसका इन सहकारिताओं के प्राथमिकता प्राप्त अग्रिमों पर एक शहरी फोकस के साथ हावी रहना जारी है। कृषि क्षेत्र को अग्रिम में गिरावट जारी रही (चार्ट 3.13)। तथापि, कमजोर वर्गों (माइक्रो ऋण तथा माइक्रो और लघु उद्यमों) के प्रति निर्देशित प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम की प्रतिशतता में 2014-15 के दौरान सुधार रहा जिससे बढ़ोत्तरी दिखाई दे रही है और जो वित्तीय समावेशन के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता दर्शाता है (चार्ट 3.14)।

ग्रामीण सहकारी बैंक

3.15 अल्पावधि ऋण सहकारिताएं जिसमें राज्य सहकारी बैंकों (एसटीसीबी), जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) और प्राथमिक कृषि ऋण सोसाइटी (पीएसीएस) शामिल हैं का शेयर 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार ग्रामीण सहकारी ऋण संस्थाओं की कुल परिसंपत्तियों में 93 प्रतिशत रहा जबकि शेष शेयर दीर्घावधि ऋण सहकारिताओं का रहा (सारणी 3.1)।

चार्ट 3.13: यूसीबी द्वारा चयनित प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को ऋण का प्रतिशतता वितरण

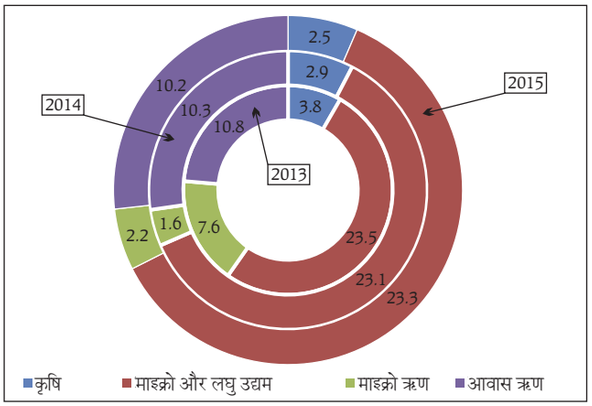

स्रोत: आरबीआई

चार्ट 3.14: यूसीबी द्वारा कमजोर वर्गों को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम

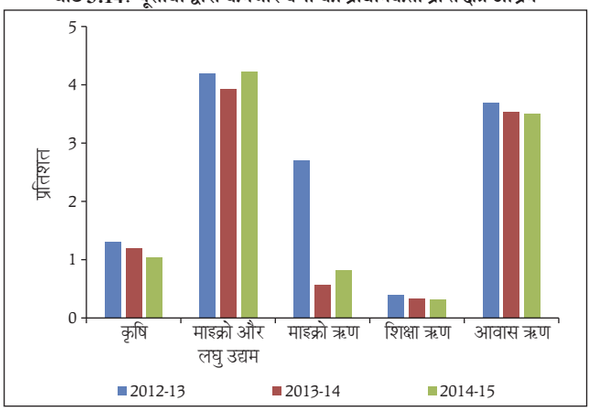

स्रोत: आरबीआई

सारणी 3.1: ग्रामीण सहकारिताओं का प्रोफाइल (31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार) (राशि ₹ बिलियन में)

मद	अल्पावधि			दीर्घावधि	
	एसटीसीबी	डीसीसीबी	पीएसीएस	एससीएआरडीबी	पीसीएआरडीबी
1	2	3	4	5	6
ए. सहकारिताओं की संख्या	**32**	**370**	**93042**	**20**	**714**
बी. तुलन-पत्र संकेतक					
i. स्वाधिकृत निधियां (पूंजी+आरक्षित निधि)	129.9	273.7	189.2	68.7	53.0
ii. जमाराशियां	1043.7	2368.9	819.0	15.4	7.4
iii. उधार राशि	610.0	726.9	958.4	157.5	144.4
iv. ऋण और अग्रिम	1031.2	2030.03	1300.5*	204.0	128.9
v. कुल देयताएं / परिसंपत्तियां	1904.1	3734.6	2124.3+	310.3	279.7
सी. वित्तीय कार्य -निष्पादन					
i. लाभ वाली संस्थाएं					
ए. संख्या	26	331	43327	8	372
बी. लाभ की राशि	9.8	15.2	110.5	1.6	2.7
ii. हानि वाली संस्थाएं					
ए. संख्या	6	36	37662	11	340
बी. हानि की राशि	0.9	3.5	91.2	5.1	5.1
iii. समग्र लाभ (+)/हानि (-)	8.9	11.7	19.3	-3.5	-2.4
डी. अनर्जक परिसंपत्तियां					
i. राशि	57.0	199.4	296.3++	72.6	48.1
ii. बकाया ऋण की प्रतिशतता के रूप में	5.5	9.8	22.8	35.6	37.3
ई. मांग अनुपात की तुलना में ऋण की वसूली (प्रतिशत)	**82.5**	**78.3**	**NA**	**33.3**	**43.9**

टिप्पणी : * बकाया ऋण और अग्रिम, + कार्यशील पूंजी, ++ कुल अतिदेय **एनए =** उपलब्ध नहीं
स्रोत: नाबार्ड और एनएएफएससीओबी

अल्पावधि ग्रामीण ऋण - एसटीसीबी और डीसीसीबी

3.16 2013-14 के दौरान राज्य और जिला सहकारिताओं दोनों के तुलन-पत्र में बढ़ोत्तरी हुई, तथापि, डीसीसीबी के लिए 2013-14 में इसकी बढ़ोत्तरी की गति धीमी रही (चार्ट 3.15)। इस कमी का कारण था आरक्षित निधियों में गिरावट। 2013-14 में एसटीसीबी की आय 9.7 प्रतिशत से बढ़ी जबकि उसी अवधि के दौरान उनका व्यय 13 प्रतिशत से बढ़ा। प्रमुख घटक जिसका व्यय में भिन्नता में योगदान रहा वह था प्रावधानीकरण और आकस्मिकताओं में तीव्र बढ़ोतरी। ब्याज और ब्याज रहित व्यय दोनों में वृद्धि के कारण 2013-14 के दौरान डीसीसीबी के निवल लाभ की वृद्धि में तीव्र कमी दर्ज की गई। वर्ष 2013-14 के दौरान डीसीसीबी की अनर्जक परिसंपत्तियों में वृद्धि दर्ज की गई। वित्तीय स्थिरता संकेतकों के अनुसार, डीसीसीबी की तुलना में एसटीसीबी का अच्छा प्रदर्शन रहा (सारणी 3.2)।

चार्ट 3.15: राज्य सहकारी बैंक के चयनित तुलन-पत्र संकेतक

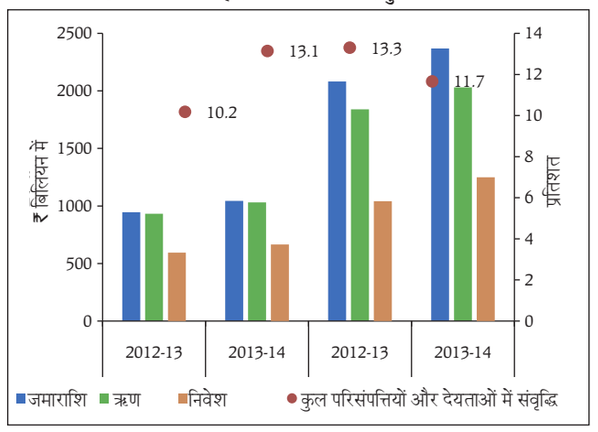

स्रोत: नाबार्ड

3.17 2013-14 के दौरान, एसटीसीबी के अनर्जक परिसंपत्ति अनुपात में दक्षिण क्षेत्र को छोड़कर सभी क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई। दक्षिणी क्षेत्र में अनर्जक परिसंपत्ति अनुपात (4.3 से 5.4) में वृद्धि दर्शाई गई हालाँकि इस क्षेत्र में वसूली अनुपात में भी वृद्धी हुई।

3.18 जिला स्तर पर, 2013-14 में दक्षिणी क्षेत्र में डीसीसीबी अनर्जक परिसंपत्ति अनुपात में मामूली से वृद्धि हुई तथा वर्ष के दौरान जिला स्तर पर वसूली अनुपात में भी गिरावट दर्ज की गई। 2013-14 के दौरान पश्चिमी (71.4 से 75.2) और केंद्रीय क्षेत्रों (63.5 से 70.8) को छोड़कर सभी क्षेत्रों में जिला स्तर पर वसूली अनुपात में गिरावट दर्ज की गई।

सारणी 3.2: ग्रामीण सहकारी बैंकों (अल्पावधि) के स्वस्थ संकेतक

(राशि ₹ बिलियन में)

मद	एसटीसीबी				डीसीसीबी			
	मार्च के अंत तक		प्रतिशतता में भिन्नता		मार्च के अंत तक		प्रतिशतता में भिन्नता	
	2013	2014पी	2012-13	2013-14पी	2013	2014पी	2012-13	2013-14पी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ए. कुल अनर्जक परिसंपत्तियां (i+ii+iii)	56.3	57.0	4.1	1.2	180.5	209.0	12.1	15.8
i. उप-मानक	20.6 (36.6)	20.7 (36.3)	28.7	0.5	78.7 (43.6)	100.2 (47.9)	25.0	27.3
ii. संदिग्ध	19.9 (35.4)	26.1 (45.9)	-17.1	31.2	76.2 (42.2)	86.9 (42.6)	7.3	14.0
iii. हानि	15.8 (28.1)	10.2 (17.9)	5.3	-35.4	25.6 (14.2)	21.9 (10.5)	-5.2	-14.4
बी. ऋण अनुपात की तुलना में अनर्जक परिसंपत्तियां (%)	6.1	5.5			9.9	10.3		
सी. मांग अनुपात की तुलना में वसूली (%) (पिछले वर्ष के 30 जून की स्थिति)	94.8	82.5			80.0	78.3		

पी.: अनंतिम
टिप्पणियां: 1. : कोष्ठक में दिए आंकड़े कुल अनर्जक परिसंपत्तियों की प्रतिशतता है।
2. : आंकड़ों को रुपये बिलियन में परिवर्तित करने के कारण कुल आंकड़े वास्तविक जोड़ से मेल नहीं खाएंगे।
स्रोत: नाबार्ड

चार्ट 3.16: पीएसीएस से बकाया ऋण में संवृद्धि

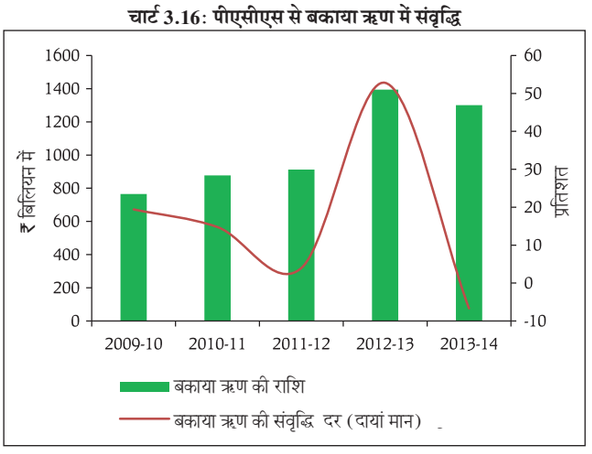

स्रोत: एनएएफएससीओबी

प्राथमिक कृषि ऋण सोसाइटी (पीएसीएस)

3.19 2012-13 में बकाया ऋण में वृद्धि के बाद, 2013-14 में पीएसीएस की ऋण वृद्धि दर की गति धीमी रही (चार्ट 3.16)।

3.20 सदस्य की तुलना में उधारकर्ता का समग्र अनुपात जो पीएसीएस से ऋण तक की पहुंच का एक उपयोगी संकेतक है, उसमें 2011-12 स्तर से गिरावट जारी रही। किसान-छोटे और सीमांत-पीएसीएस के बहुमत सदस्य बने रहे तथा उनका सभी समूहों के बीच सदस्य की तुलना में उधारकर्ता का अनुपात अधिकत्तम रहा। पिछले तीन वर्षों में उधारकर्ता-सदस्य अनुपात में गिरावट दर्ज की गई (चार्ट 3.17)।

3.21 2013-14 के दौरान, घाटे में चल रही पीएसीएस की प्रतिशतता स्थिर रही तथा लाभ में चल रही पीएसीएस की प्रतिशतता मामूली रूप से 46.6 प्रतिशत से बढ़ी (चार्ट 3.18)। पूर्वी क्षेत्र और उसके बाद उत्तर-पूर्वी क्षेत्र सबसे कमज़ोर प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र है जिसमें घाटे में चल रही पीएसीएस की संख्या लाभ में चल रही पीएसीएस की संख्या से अधिक है (चार्ट 3.19)। उत्तरी और केन्द्रीय क्षेत्र अब भी मजबूत हैं क्योंकि घाटे में चल रही पीएसीएस की तुलना में लाभ में चल रही पीएसीएस की संख्या बहुत अधिक है।

चार्ट 3.17: पीएसीएस की सदस्यता में समूह-वार शेयर तथा समग्र उधारकर्ता सदस्य अनुपात

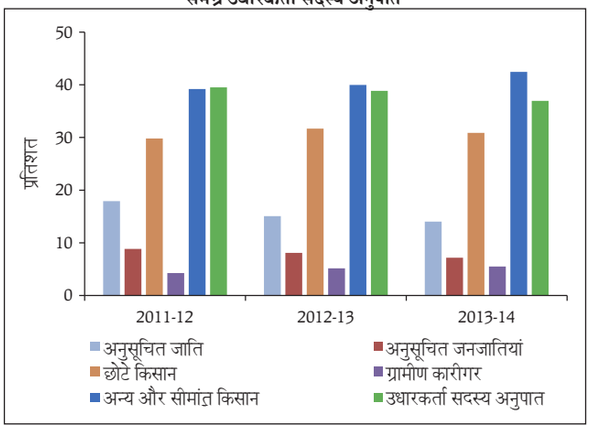

स्रोत: एनएएफएससीओबी

चार्ट 3.18: लाभ और हानि में पीएसीएस की प्रतिशतता -अखिल भारतीय

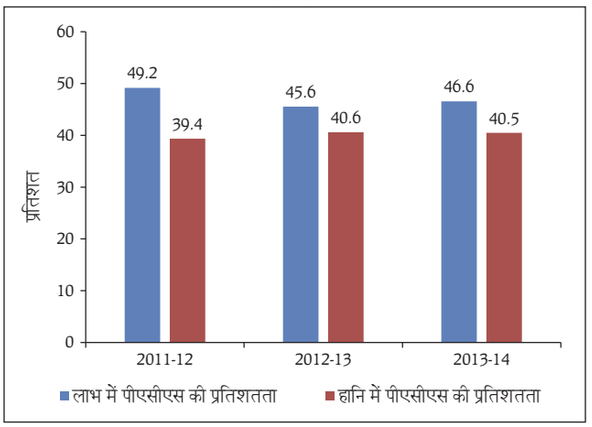

टिप्पणी: केवल रिपोर्टिंग पीएसीएस से संबंधित डाटा
स्रोत: एनएएफएससीओबी

चार्ट 3.19: लाभ और हानि में पीएसीएस की प्रतिशतता - 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार क्षेत्रीय स्तर

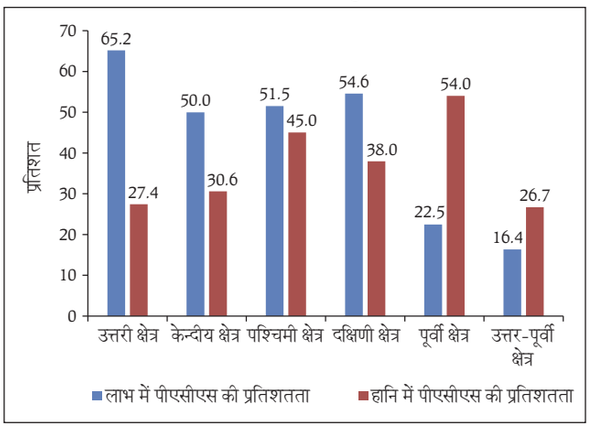

टिप्पणी: केवल रिपोर्टिंग पीएसीएस से संबंधित डाटा
स्रोत: एनएएफएससीओबी

दीर्घावधि ग्रामीण ऋण- राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (एससीएआरडीबी)

3.22 एससीएआर की तुलन-पत्र वृद्धि धीमी रही जो 2012-13 में 8 प्रतिशत से कम हो कर 2013-14 में 1प्रतिशत रह गई। 'अन्य देयताएं' और 'अन्य परिसंपत्तियां' की ऋणात्मक वृद्धि के कारण आरक्षित निधि तथा ऋण और अग्रिमों में वृद्धि का पलड़ा भारी रहा। व्यय के संबंध में परिचालन व्यय शेयर में गिरावट गैर-मजदूरी व्यय की गिरावट, जिससे मजदूरी व्यय की वृद्धि का समायोजन हुआ, के कारण हुई।

दीर्घावधि ग्रामीण ऋण - प्राथमिक सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (पीसीएआरडीबी)

3.23 2012-13 के दौरान तुलन-पत्र विस्तार की तुलना में 2013-14 में तुलन-पत्र संकुचन 'अन्य देयताओं', ऋण और अग्रिमों तथा 'अन्य परिसंपत्तियां' में गिरावट के कारण हुआ (चार्ट 3.20 और 3.21)।

3.24 2013-14 में पीसीएआरडीबी के व्यय की तुलना में आय में उच्चत्तर दर से बढ़ोत्तरी हुई। 2013-14 में एससीएआरबीडी के अनर्जक परिसंपत्ति अनुपात में मामूली सी गिरावट रही जबकि पीसीएआरडीबी का अनुपात लगभग स्थिर रहा। तथापि, एससीएआरडीबी और पीसीएआरडीबी दोनों के वसूली अनुपात में सुधार दर्शाया गया (सारणी 3.3)।

चार्ट 3.20: कुल देयताओं में घटबढ़ की तुलना में घटक अंशदान की प्रतिशतता - पीसीएआरडीबी

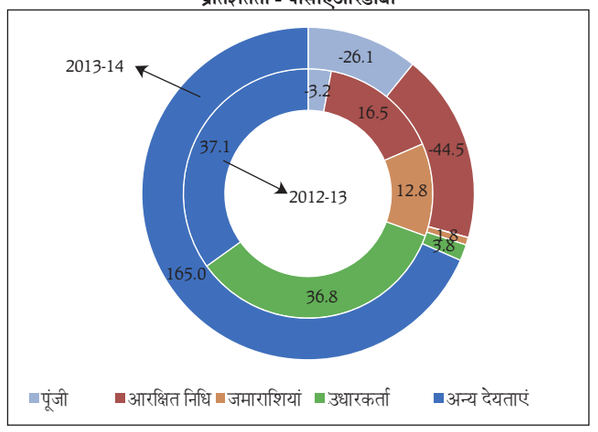

स्रोत: नाबार्ड

चार्ट 3.21: कुल परिसंपत्तियों में भिन्नता की तुलना में घटक अंशदान की प्रतिशतता - पीसीएआरडीबी

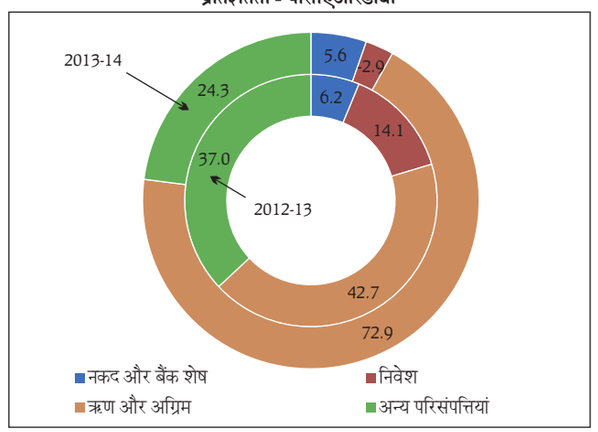

स्रोत: नाबार्ड

सारणी 3.3: ग्रामीण सहकारी बैंकों (दीर्घावधि) के स्वस्थ संकेतक

(राशि ₹ बिलियन में)

मद	एससीएआरडीबी				पीसीएआरडीबी			
	मार्च के अंत तक		प्रतिशतता में भिन्नता		मार्च के अंत तक		प्रतिशतता में भिन्नता	
	2013	2014पी	2012-13	2013-14पी	2013	2014पी	2012-13	2013-14पी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ए. कुल अनर्जक परिसंपत्तियां (i+ii+iii)	67.5	72.6	4.9	7.5	49.8	48.1	7.7	-3.4
i. उप-मानक	28.2 (41.7)	31.0 (42.8)	-4.9	10.3	23.2 (46.6)	22.1 (46.0)	10.6	- 4.7
ii. संदिग्ध	38.1 (56.4)	41.4 (57.0)	10.5	8.7	26.2 (52.6)	25.6 (53.3)	5.0	-2.2
iii. हानि	1.2 (1.8)	0.1 (0.2)	602.2	-91.7	0.43 (0.9)	0.37 (0.8)	27.7	-14.0
बी. ऋण अनुपात की तुलना में अनर्जक परिसंपत्तियां (%)	36	35.6			37.7	37.3		
सी. मांग अनुपात की तुलना में वसूली (%) (पिछले वर्ष के 30 जून की स्थिति)	32.3	33.3			41.7	44.0		

पी.: अनंतिम

टिप्पणियां : 1. : कोष्ठक में दिए आंकड़े कुल अनर्जक परिसंपत्तियों की प्रतिशतता है।

2. : आंकड़ों को रुपये बिलियन में परिवर्तित करने के कारण कुल आंकड़े वास्तविक जोड़ से मेल नहीं खाएंगे।

स्रोत: नाबार्ड